आवश्यक/महत्वपूर्ण

संख्या– 4380 /राज0परि0/2016,

प्रेषक,

आयुक्त एवं सचिव,
राजस्व परिषद्,
उत्तराखण्ड, देहरादून।

सेवा में,

1.आयुक्त,
गढ़वाल मण्डल, पौड़ी/
कुमाऊँ मण्डल, नैनीताल।

2.समस्त जिलाधिकारी,
उत्तराखण्ड।

दिनांकः 17 नवम्बर, 2016

विषयः– **राजस्व वादों के सम्बन्ध में पीठासीन अधिकारीवार/न्यायालयवार सूचना उपलब्ध कराये जाने विषयक।**

महोदय,

कृपया परिषद् स्तर पर न्यायिक कार्यों की समीक्षा के समय पर यह देखा गया है कि राजस्व न्यायालयों में न्यायिक कार्यों के निस्तारण की स्थिति अच्छी नहीं है। न्यायिक कार्य करने वाले राजस्व अधिकारी इस कार्य को आवश्यकतानुरूप समय नहीं दे पा रहे हैं, फलतः अनेकानेक राजस्व वाद/कार्यवाहियाँ विभिन्न स्तरों पर अनावश्यक रूप से लम्बित चले आ रहे हैं।

अतः उपरोक्त कम में राजस्व परिषद् स्तर पर प्रत्येक माह राजस्व वादों की समीक्षा हेतु प्रारूप निर्धारित किया गया है जिसे इस आशय से संलग्न कर प्रेषित किया जा रहा है कि संलग्न प्रारूप पर प्रत्येक माह की 10 तारीख तक प्रत्येक पीठासीन अधिकारीवार/न्यायालयवार पृथक–पृथक संकलित सूचना परिषद् को उपलब्ध कराने का कष्ट करें।

संलग्नकःयथोक्त।

भवदीय

(एस0 एन0 पाण्डे)
17.11.2016
आयुक्त एवं सचिव,
राजस्व परिषद्।

# प्रारूप

## राजस्व वादों का माहवार विवरण

माह.....वर्ष.....

| क0सं0 | पीठासीन अधिकारी का नाम/पदनाम | माह में न्यायिक कार्य हेतु निर्धारित दिवसों की संख्या | माह में दिवसों की संख्या जिनमें न्यायिक कार्य सम्पादित किया गया | माह के प्रारम्भ में लम्बित वाद | माह में दायर वाद | योग | माह में निस्तारित वाद | माह के अन्त में अवशेष वाद | 6 माह से 01 वर्ष पुराने वाद | 01 वर्ष से 03 वर्ष पुराने वाद | 03 वर्ष से 05 वर्ष पुराने वाद | 05 वर्ष से अधिक पुराने वाद | 03 सबसे पुराने वाद का विवरण |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 | 11 | 12 | 13 | 14 |
| | | | | | | | | | | | | | |

हस्ताक्षर .....

नाम .....

पदनाम.....

न्यायालय का नाम.....

तहसील.....

जनपद.....

मण्डल.....